Module 1

Nature and Scope of Geography;

भूगोल के प्रकृति एवं विषय क्षेत्र

भूगोल का अर्थ

भूगोल शब्द ग्रीक शब्द 'जियो' से बना है जिसका अर्थ है पृथ्वी, और 'ग्राफ' जिसका अर्थ है विवरण। इसलिए, भूगोल को पृथ्वी के विवरण के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

हालाँकि, भूगोल केवल पृथ्वी की सतह और उसकी विशेषताओं का वर्णन नहीं करता है। यह मनुष्य और उसके पर्यावरण के बीच अंतर्संबंधों की भी जांच करता है। इसलिए भूगोल को पृथ्वी के भीतर लोगों, उनकी गतिविधियों, स्थानों और भौतिक चीजों के अध्ययन के रूप में भी संदर्भित किया जा सकता है।

भूगोल विषय का महत्व

1. यह मनुष्य को अपने पर्यावरण की बेहतर समझ रखने में सक्षम बनाता है।
2. भूगोल आधुनिक समाज के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों, समस्याओं और समाधानों को उठाता है।
3. इसमें हमारे आस-पास की दुनिया का ज्ञान होता है यानी यह हमें दुनिया के अन्य हिस्सों में अन्य लोगों के जीवन के तरीकों का अध्ययन करने में सक्षम बनाता है।
4. एक सुप्रशिक्षित भूगोलवेत्ता समाज की राजनीति और सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभा सकता है। वह अपने भौगोलिक ज्ञान का उपयोग शहरी, आर्थिक, ग्रामीण या क्षेत्रीय नियोजन जैसे क्षेत्रों में कर सकता है।

5. भूगोल हमें भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, अर्थशास्त्र, इतिहास, गणित आदि में कुछ अन्य संबंधित विषयों को समझने में मदद करता है।
6. यह हमें अपने आस-पास की भौतिक चीजों जैसे वनस्पति, जलवायु, नदियों, मिट्टी, महासागरों, पहाड़ों आदि की बेहतर समझ रखने में सक्षम बनाता है।
7. यह हमें एक ऐसा करियर चुनने में सक्षम बनाता है जिससे हम जीविकोपार्जन कर सकें।

प्रकृति

मानव भूगोल भौतिक पर्यावरण तथामानव जनित सामाजिक संस्कृतिक पर्यावरण के अंतर संबंधों का अध्ययन उनकी परस्पर अन्योन्यक्रिया के द्वारा करता है।भूगोल विषय के प्रकृति को निम्नलिखित वर्गीकृत किया गया है।

1. विशेष स्थान का अध्ययन
2. अंतर्विषयक विज्ञान
3. गतिशील विज्ञान
4. क्रमबद्ध अध्ययन
5. प्रत्यक्ष ज्ञान
6. वस्तुनिष्ठता

1. विशेष स्थान का अध्ययन

भूगोल का अध्ययन क्षेत्र पृथ्वी के स्थलमंडल जलमंडल एवं वायुमंडल से संबंधित तत्वों के सम्मिलित अध्ययन से है इन तत्वों का अध्ययन स्थान के संदर्भ में उनके स्थानीयकरण वितरण के रूप में किया जाता है।

2. अंतर्विषयक विज्ञान

भूगोल एक प्रकृति विषय है इसमें पृथ्वी के सभी क्रियाकलापों का अध्ययन मिलता है भूगोल का विषय क्षेत्र अन्य विषयों के विषय वस्तु भूगोल की विषय वस्तु से संबंधित है। समसामयिक ज्ञान के विकास की प्रमुख विशेषता विभिन्न विषयों के साथ परस्पर संबंध होती है।

3. गतिशील विज्ञान

भूगोल एक गतिशील विज्ञान है जो समय के साथ-साथ इसकी परिभाषा में भी परिवर्तन होता रहता है।

4.क्रमबद्ध अध्ययन

भूगोल के अध्ययन की प्रमुख विशेषता यह है कि पृथ्वी तल पर पाए जाने वाले विभिन्न तत्वों का क्रमबद्ध एवं व्यवस्थित अध्ययन है जैसे संरचना स्वरूप जलवायु वनस्पति यहां प्रवाह प्रणाली आदि क्रमबद्ध तरीके से अध्ययन होता है।

5. प्रत्यक्ष ज्ञान

भूगोल के अध्ययन के क्रम में विभिन्न क्षेत्रों के अनुभव के आधार पर भी अध्ययन किया जाता है। इसके अलावा भूगोल विषय में प्रत्यक्ष रूप से अध्ययन किया जाता है।

6. वस्तुनिष्ठता

विज्ञान के अंतर्गत उन्हीं तत्वों एवं तथ्यों का वर्णन या विश्लेषण सम्मिलित किया जाता है जिस की प्रवृत्ति सर्व भौमिक एवं सर्वकालिक हो।

विषय क्षेत्र

1. भौतिक भूगोल
2. मानव भूगोल
3. भौगोलिक तकनीक
4. भौतिक भूगोल

भौतिक भूगोल वह शाखा है जिसमें भौतिक परिघटनाओं की व्याख्या व अध्यन किया जाता है. भूगोल की यह शाखा मौसम विज्ञान, भूगर्भशास्त्र, रसायन शास्त्र, जंतु विज्ञान, आदि चीजों से जुड़ा हुआ है। इसके निम्नलिखित उस शाखाएं हैं।

- खगोलीय भूगोल
- जलवायु विज्ञान
- भू आकृति विज्ञान
- जैव विज्ञान
- समुद्र विज्ञान
- मृदा विज्ञान

2. मानव भूगोल

मानव भूगोल वह शाखा है जिसमें पृथ्वी की सतहों और मानव समुदाय के बीच संश्लेषित का अध्ययन किया जाता है. मानवीय जनसंख्या, स्थानिक विश्लेषण और पर्यावरण, यह तीन संघटक है जो मानव भूगोल निकटतम रूप से जुड़ा है।

- आर्थिक भूगोल
- सांस्कृतिक भूगोल
- राजनीतिक भूगोल
- सामाजिक भूगोल
- ऐतिहासिक भूगोल
- जनसंख्या भूगोल
- अधिवास भूगोल

3. भौगोलिक तकनीक या प्रायोगिक भूगोल

आधुनिक भूगोल विकास के तकनीकी विकास क्रम में दूरस्थ संवेदन तकनीक का उपयोग तथा भौगोलिक सूचना तंत्र भौगोलिक आंकड़ों एवं सूचनाओं के संग्रह विश्लेषण व मानचित्रण की ऐसी कंप्यूटर कृत प्रणाली जिसके द्वारा भौगोलिक अध्ययन व शोध से संबंधित उपेक्षित निष्कर्ष प्राप्त किए जाते हैं ।

इसके निम्नलिखित उप शाखाएं हैं।

- रिमोट सेंसिंग (दूर संवेदन तकनीकी)
- जी आई एस भौगोलिक सूचना तंत्र
- जीपीएस
- कार्टोग्राफी मानचित्र कला

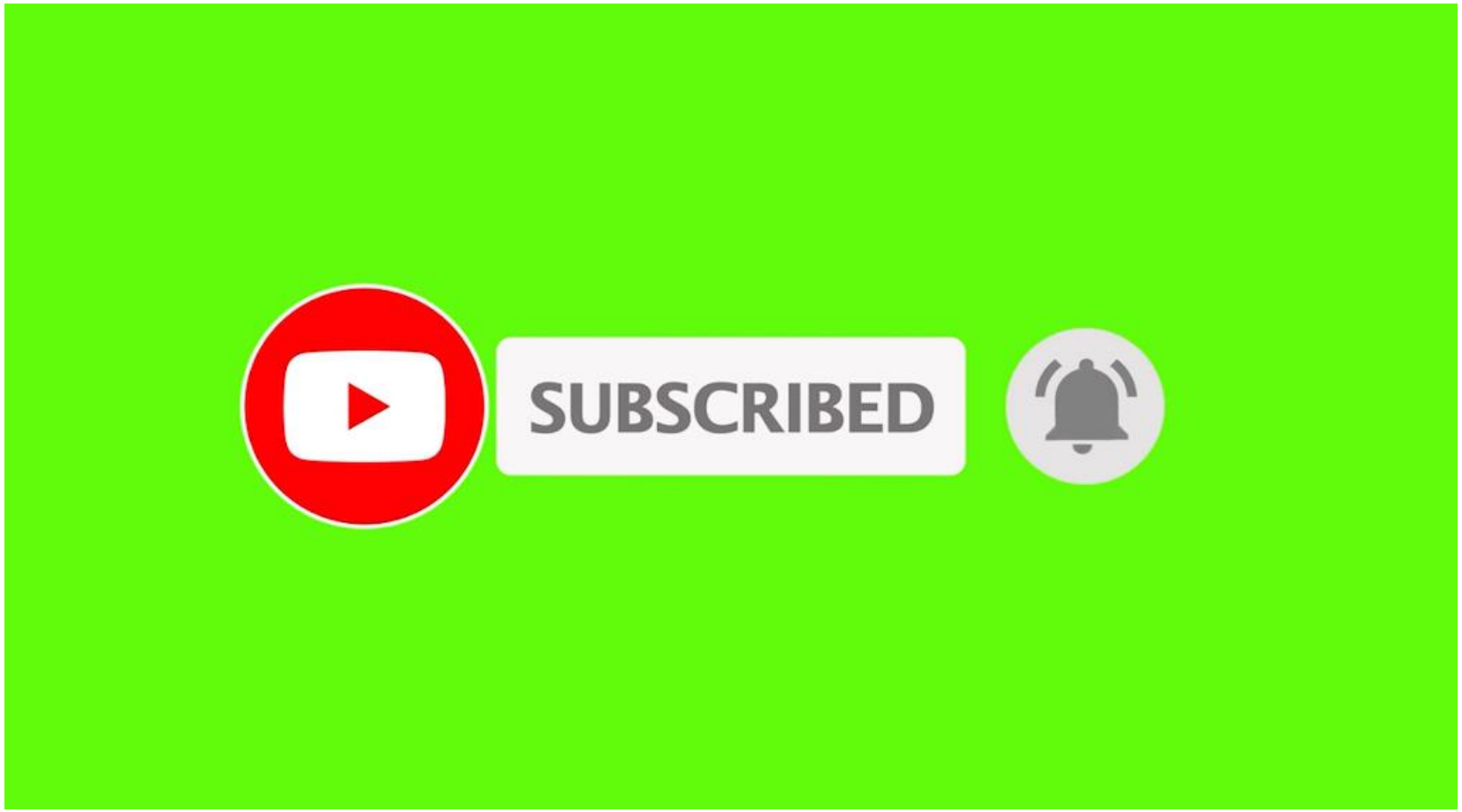
SUBSCRIBED

Module 1

place of Geography in the classification of Sciences

विज्ञानों के वर्गीकरण में भूगोल का स्थान

भूगोल के विभिन्न परिभाषा ओं से यह स्पष्ट होता है कि इसका विषय क्षेत्र काफी विस्तृत है यही कारण है कि इसके अंतर्गत लगभग सभी प्रमुख विषयों के कछ भाग का अध्ययन किसी ना किसी रूप में अवश्य किया जाता है साथ ही साथ इन सभी विषयों में निश्चित रूप से भूगोल के विषय का अध्ययन किया जाता है भूगोल का अध्ययन प्राचीन काल में एक साधारण विषय के रूप में होता था परंतु आगे चलकर वैज्ञानिक भूगोल में पूर्व के मात्र वर्णनात्मक विधि से आगे अवधारणाओं, सामान्य परिकल्पनाओ, सिद्धांतों एवं वास्तविक चिंतन पर आधारित भूगोल आकार लेने लगा और भूगोल विज्ञान के रूप में उभरने लगा।भूगोल का संबंध जिन विषयों से अधिक निकट है उन्हें दो वर्गों में विभाजित किया जाता है।

1. प्राकृतिक विज्ञान एवं
2. सामाजिक विज्ञान

1. प्राकृतिक विज्ञान

इसके अंतर्गत मुख्य रूप से खगोल शास्त्र भूगर्भ विज्ञान वनस्पति विज्ञान जंतु विज्ञान जलवायु विज्ञान मृदा विज्ञान समुद्र विज्ञान को तथा जल विज्ञान को शामिल किया गया है। भूगोल विषय में प्राकृतिक तत्वों के अध्ययन के साथ-साथ मनुष्य के दैनिक क्रियाकलापों उनके निवास स्थान एवं जीव पद्धति के अध्ययन से संबंधित है।

निम्नलिखित विज्ञानों के साथ भूगोल का संबंध है

क. खगोल विज्ञान

खगोल शास्त्र के के अंतर्गत मुख्यता अंतरिक्ष विज्ञान या सौर मंडल से संबंधित विभिन्न तथ्यों का अध्ययन किया जाता है जो भूगोल के विकास के पहले एवं महत्वपूर्ण विषय के रूप में जाना जाता था।

ख. भूगर्भ विज्ञान

भूगर्भ विज्ञान मैं धरातल के स्वरूप एवं धरातल के नीचे पाए जाने वाले चट्टानों तथा खनिजों का अध्ययन किया जाता है यह विज्ञान वर्तमान समय मे भूगोल का एक महत्वपूर्ण विषय वस्तु के रूप मे अध्ययन करते हैं।

ग. वनस्पति विज्ञान

वनस्पति विज्ञान के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के वनस्पति के विकास की प्रक्रिया इन की विशेषताए तथा अन्य तथ्यों के बारे में अध्ययन किया जाता है

घ. जीव विज्ञान

भूगोल के अंतर्गत क्षेत्रीय स्तर पर जीव जंतु का विकास की अवस्थाएं तथा इस पर आधारित व्यवसाय इत्यादि के विकास एवं वितरण का अध्ययन के रूप मे किया जाता है

ङ॰ जल विज्ञान

जल विज्ञान के अंतर्गत पृथ्वी मैं पाए जाने वाले जल राशियों का अध्ययन किया जाता है जबकि भूगोल मे भी झील नदी या समुद्र तथा एजेल मडलो का अध्ययन विस्तृत रूप से करते हैं।

च. मृदा विज्ञान

भूगोल तथा मृदा विज्ञान के संबंध को इसके विषय वस्तुओं के माध्यम से स्पष्ट किया जा सकता है मृदा विज्ञान में मुख्य रूप से मिट्टी का निर्माण प्रक्रिया एवं इसके प्रकार तथा कृषि दृष्टिकोण से मिट्टी के महत्व का अध्ययन भूगोल में भी विस्तृत रूप से किया जाता है।

छ. समुद्र विज्ञान

समुद्र विज्ञान में मुख्य रूप से ज्वार भाटा लहरें जल धाराओं एवं उत्पत्ति प्रवाल भित्ति का अध्ययन किया जाता है जबकि भूगोल में इसके अलावा विभिन्न महासागरों के नितल का गहन अध्ययन भी किया जाता है तथा समुद्री लवणता एव उसके तापमान के वितरण के अध्ययन को भी भूगोल विषय में शामिल किया जाता है।

ज. जलवायु विज्ञान

जलवायु विज्ञान के अंतर्गत वायुमंडल के विभिन्न परतों एवं वायुमंडल में होने वाली गतिविधियों का अध्ययन किया जाता है तथा यह विषय को भूगोल विषय में एक महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है।

2. सामाजिक विज्ञान

मानव विज्ञान

मानव विज्ञान के अंतर्गत मानव की उत्पत्ति एवं उसके विकास स्तर का अध्ययन के लाता है। परंतु मानव भूगोल विषय क्षेत्र में मानव एवं इनके क्रियाकलापों का अध्ययन किया जाता है तथा मानेव के नस्ल प्रजाति तथा अन्य शारीरिक विशेषताओं का अध्ययन भी भूगोल के अंतर्गत अध्ययन किया जाता है।

इस प्रकार भूगोल तथा मानव विज्ञान का संबंध को स्पष्ट किया जा सकता है।

समाजशास्त्र

समाजशास्त्र में किसकी विशेष प्रदेश के मानव समुदाय उनके सामाजिक संगठन सामाजिक प्रथा इत्यादि का अध्ययन किया जाता है इसी प्रकार भूगोल में मानव समुदाय सामाजिक संगठन का क्या आर्थिक प्रभाव पड़ता है उसकी अध्ययन भूगोल के अंतर्गत किया जाता है।

अर्थशास्त्र

भूगोल एवं अर्थशास्त्र के बीच घनिष्ठ संबंध है क्योंकि अर्थशास्त्र के कुछ विशिष्ट सिद्धांतों को छोड़कर शेष विषय वस्तु को भूगोल के अंतर्गत समान रूप से अध्ययन किया जाता है जैसे कृषि फसल उद्योग परिवहन

राजनीति शास्त्र

राजनीति शास्त्र के अंतर्गत किसी प्रदेश की शासन प्रणाली सरकार इत्यादि का अध्ययन किया जाता है जिसमें इस तथ्य को स्पष्ट किया जाता है कि किसी राष्ट्र के राजनीतिक स्थिरता वहां की भौगोलिक स्थिति से प्रभावित होती है।

इतिहास

इतिहास के अंतर्गत विभिन्न काल में हुए आर्थिक राजनीतिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन का अध्ययन किया जाता है जिसका आधार निश्चित रूप से भौगोलिक पृष्ठभूमि है जैसे कुछ विशेष भौगोलिक सुविधाओं के कारण सिंधु तथा नील नदियों के किनारे मानव सभ्यता का विकास हुआ इस प्रकार से स्पष्ट होता है कि भूगोल तथा इतिहास का संबंध किसी ना किसी रूप में होता है

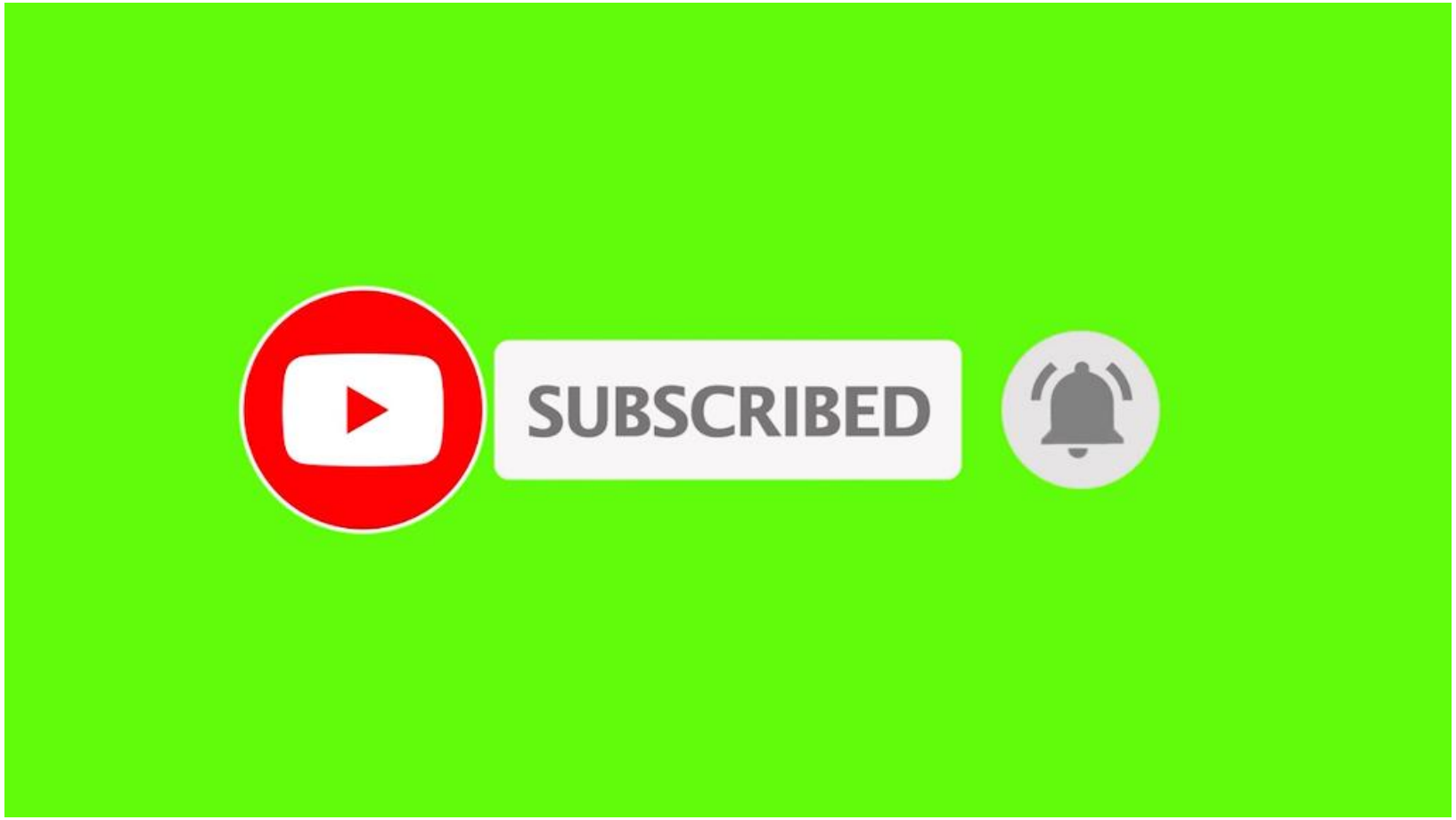
SUBSCRIBED